



पाँच लड़कियों ने मिलकर मुझे चोदा -2

“मैं दिल्ली घूमने गया था लेकिन मेरा सब सामान पर्स आदि चोरी हो गया, ए.टी.एम, पैसे आदि सब... मैं भूखा प्यासा थका हारा एक घर के बाहर दीवार के पास बैठ गया और सो गया... आँख खुली तो देखा मेरे इर्द-गिर्द चार-पाँच लड़कियाँ खड़ी थी और मुझे झकझोर रही थी। वो लड़कियाँ मुझे अन्दर ले गईं और मुझे खाना खिलाया, मैं वहीं सो गया और लड़कियाँ आपस में लेस्बीयन सेक्स करने लगी... खुद कहानी पढ़ कर मज़ा लीजिए... ..”

Story By: शरद सक्सेना (saxena1973)

Posted: Sunday, July 19th, 2015

Categories: [लेस्बीयन सेक्स स्टोरीज](#)

Online version: [पाँच लड़कियों ने मिलकर मुझे चोदा -2](#)

पाँच लड़कियों ने मिलकर मुझे चोदा -2

सिकदा प्रियंका के पास आई तो प्रियंका खड़ी हो गई और अपनी मैक्सी को कमर तक उठा ली।

क्या चिकनी उसकी बुर थी, बिल्कुल मक्खन जैसी लग रही थी, मन तो कर रहा था कि उस सिकदा को हटा कर खुद ही उसकी बुर में अपना मुँह लगा कर उसकी बुर को साफ कर दूँ लेकिन अभी मुझे उन सभी की लेस्बियन वाली काम क्रीड़ा देखनी थी इसलिये अपने ऊपर कंट्रोल करके उनकी काम क्रीड़ा देखने का निर्णय लिया।

तभी प्रियंका अपनी बुर को चटवाते हुए बोली देखा अभी तक हम लोगों ने इसके लण्ड के दर्शन तक नहीं किया है और केवल लंड के तनाव को देख कर हम सभी ने पानी छोड़ दिया।

मुझे उन पर तरस आ रहा था, मैंने अपना हथियार निकालने का निर्णय लिया और अंगड़ाई लेकर सीधा हुआ और दोनों हाथों को पैन्ट के अन्दर लेकर फिर से जांघ खुजलाने लगा और बड़बड़ाने लगा- चूसो मेरा लौड़ा... क्या चूसती हो तुम, तुम्हारे जैसा चूसने वाली कोई नहीं है।

कहते कहते मैंने पैन्ट की जिप खोल कर पैन्ट और चड्डी थोड़ी सी नीचे सरका दी और लण्ड को निकाल कर हिलाते हुए बड़बड़ाने लगा- चूस मेरी जान, चूस-चूस इसको। मुझे ऐसा करते देख पाँचों मेरे पास झुंड बना कर ऐसे बैठ गई, जैसे समूह में कोई खेल दिखाया जा रहा है।

इतने में मेरे हाथ और बोलने की गति बढ़ती गई, दो मिनट बाद मैं झड़ गया और धार सभी के मुँह पर गिरी, कुछ मेरी जांघ पर, कुछ मेरे हाथ में! मैंने अपने हाथ में लगे माल को मुँह में ले गया और चाट कर साफ करके पलट कर लेट

गया, कनखियों से देखा तो लड़कियाँ भी मेरे वीर्य को एक दूसरे के चेहरे से चाट कर साफ कर रही थी।

तभी सबसे कम बोलने वाली सोनम बोली- मेरे दिमाग में इसके लिये काम है।

सभी बोली- क्या ?

तो सोनम बोली- हम सभी इससे अपने पैन्टी-ब्रा और कपड़े धुलवायेंगे और उसके बाद यह हम सबको चोदेगा भी क्योंकि मैं तो इसी के बगल में नंगी ही सोऊँगी।

रजिया- तो हम लोगों का भी यही विचार है। प्रियंका गिलास लेती आना यार !

गिलास का नाम सुनकर मेरे कान खड़े हो गये, तो क्या ये सब दारू भी पीती हैं ?

तभी सुरररर रररर सररर ररर की अवाज सुनाई पड़ी। मैंने हल्की सी आँख खोली तो देखा पाँचों बड़े से शीशे के गिलासों में पेशाब कर रही थी। पेशाब करने के बाद सबने अपना-अपना गिलास एक-दूसरे को दे दिया और सभी लड़कियाँ जैसे चाय की चुस्कियाँ ली जाती हैं, उसी तरह चुसकी ले कर पी रही थी।

उनको इस तरह करते देखकर मेरा मुँह खुला का खुला रह गया।

मेरे खुले मुँह पर रजिया की नजर पड़ गई, तुरन्त ही उसने इशारों में सबसे मेरी तरफ देखने को कहा।

जब सभी बारी-बारी मेरी तरफ देख चुकी तो रजिया ने अपनी एक ऊँगली को उस गिलास में डाला और अंगूठा मेरी तरफ करके ऊँगली को मुँह के अन्दर डाल दिया।

उसकी इस हरकत से मैं समझ गया कि ये मुझे पेशाब का रसास्वादन करवाना चाहती हैं, मैंने भी मन में ठान लिया कि आज इसका भी स्वाद लेकर देखा जाये क्योंकि अभी तक न जाने कितनी लड़कियों के बुर का माल मैंने चखा होगा। और मेरा मानना भी है कि सेक्स का मजा तभी आता है जब इसका खुलकर मजा लिया जाये।

इसलिये मैंने अपना मुँह खोले रखा और होने वाली घटना का इंतजार करने लगा।

तभी प्रियंका उठी पास आकर मेरे को कास कर के खड़ी हो गई।

क्या जिस्म था उसका! दूध जैसा उजला बदन, उसके पूरे जिस्म पर बाल के एक रोंया भी नहीं, बुर क्या चिकनी थी, बिल्कुल लाल-लाल! मेरे ऊपर इस प्रकार बैठी कि उसके जिस्म का एक भी हिस्सा मेरे शरीर को छू नहीं रहा था।

उसके जिस्म की महक मेरे नथुनों में घुस रही थी और मुझे पागल बना रही थी।

धीरे से प्रियंका ने मेरे खुले हुए मुँह में गिलास से धार बना कर डाल दिया। मेरे मुँह में पेशाब पड़ने से मुझे कुछ कसैलेपन सा लगा और मैंने थू-थू कर थूक दिया, जिसका छींटा प्रियंका के शरीर पर पड़ गया वो तेजी से उठ कर किनारे हो गई।

मैंने भी करवट उस दिशा में ली जिधर पाँचों नंगी होकर सोने की तैयारी कर रही थी।

तभी सिकदा पेट के बल लेट गई और गाण्ड को फैला कर बोली- चलो मेरी गाण्ड की खुजली मिटाओ।

प्रियंका आई और उसके गाण्ड को थपथपाते हुए थूक से गाण्ड को भर दिया और जीभ की टिप से चाटने लगी जबकि दो लड़कियाँ 69 की पोजीशन में आकर एक दूसरी की बुर को बुरी तरह रगड़ रही थी जैसे वो दोनों एक-दूसरी की बुर को कच्चा खा जायेंगी।

पाँचवी रजिया सिकदा की पीठ पर एक पैर रखकर अपने बुर में उँगली कर रही थी और चाट रही थी।

इधर उन लोगों को इस दशा में देखकर मुझे इस तरह का लेस्बियन सेक्स देखने का बड़ा आनन्द आ रहा था। जब रजिया भी खलास हो गई और उसका हाथ अपने ही पानी से गीला हो गया तो उसने अपनी चूचियों से अपने हाथों को पौँछा और सोनम के पास खड़ी होकर अपनी चूची उसके मुँह में घुसेड़ दिया जिसको सोनम ने बड़े ही प्यार से चाट कर साफ कर दिया और जब सभी लड़कियाँ खलास हो गई तो सब मेरे ही बगल में नंगी ही सो गई।

उनके सोने के आधे घंटे के बाद में उठा और पेशाब करके सोने की तैयारी करने लगा। लेकिन सोने से पहले मैंने उन सभी के ऊपर चादर उढ़ा दी और स्वयं भी अपने कपड़े को सही करके सो गया ताकि सुबह सब उठें तो मुझे शरीफ ही समझें और उन्हें लगे कि मैंने उसका फायदा नहीं उठाया है।

पर उनकी ये क्रीड़ा देखकर मुझे नींद नहीं आ रही थी क्योंकि मेरे नजरों के सामने उनकी क्रीड़ायें अभी भी चल रही थी और प्रियंका की गोल-गोल चूची, उठी हुई बुर और सबसे सेक्सी और मजेदार गाण्ड मेरे नजरों के सामने बार-बार आ रही थी।

कोई पंद्रह मिनट बाद प्रियंका पेट के बल लेट गई और उसकी उठी उठी गाण्ड मुझे दावत दे रही थी। अब मेरे लिये बर्दाश्त करना मुश्किल हो रहा था। मैं उठा उसकी गाण्ड के दरार में खूब सारा थूक उड़ेल कर अपनी जीभ से चाटने लगा।

लेकिन यह क्या... यह तो मेरा भ्रम ही था, मुझे क्या मालूम कि प्रियंका जाग रही है! उसने तुरंत ही अपने हाथ से अपने गाण्ड को फैला दिया।

उसकी इस हरकत से मैं डर गया और जल्दी से अपने बिस्तर पर लेट गया। हालाँकि मुझे मालूम था कि सुबह पाँच चूत मेरा स्वागत करेगी पर इस समय मुझे ऐसा दिखाना था कि मैं डर रहा हूँ।

प्रियंका मेरे पास आई और मेरे कान में जोर सा दाँत गड़ा कर बोली- अरे यार, मेरी गाण्ड में खुजली मची हुई है और जब तुम गाण्ड चाट रहे थे तो मुझे अच्छा लगा और अपने आपको रोक नहीं पाई और गाण्ड खोल कर तुम्हारा स्वागत कर दिया और तुम हो कि डर कर यहाँ लेट गये? आओ और मेरी गाण्ड का मजा लो।

कहकर उसने मेरा लौड़ा मसल दिया, लेट कर अपनी गाण्ड को फैला दिया।

मैं उठा और उसकी जायकेदार गाण्ड का मजा लेने लगा।

गाण्ड चटवाने के कारण प्रियंका को मस्ती चढ़ने लगी और और उसका बदन अकड़ने लगा इसलिये उसने अपने दोनों घुटनों को मोड़ा जिससे उसकी गाण्ड और उठ गई और बुर भी सामने आ गई।

आह... क्या बुर थी, ऐसा लग रहा था कि बुर न होकर पाव रोटी है।

प्रियंका अपनी बुर में जोर-जोर से उँगली किये जा रही थी। ऐसा लग रहा था कि उसका वो चरमोत्कर्ष हो...

इससे उसकी गाण्ड फूल-पिचक रही थी।

मैंने तुरन्त ही उसकी गाण्ड में उँगली की और उसके हाथ को हटा कर अपना मुँह नीचे लगा कर उसकी पुतिया को चूसने लगा और वो अपने बुर को सहलाये जा रही थी।

थोड़ी देर बाद उसने अपना माल मेरे मुँह में छोड़ दिया और निढाल सी होकर गिर गई, उसका पूरा माल मेरे हलक के नीचे और कुछ मेरे मुँह में लगा रहा।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

जब प्रियंका निढाल हो गई तो मैं भी उसको छोड़ कर अपनी जगह आ गया क्योंकि मेरे लण्ड का भी पैट के अन्दर बुरा हाल हो रहा था। वो बाहर आने के लिये कसमसा रहा था। इस बात को प्रियंका ने देख लिया वो उठी मेरे पास आई, मेरे पैट, चड्डी और पूरे कपड़े उतार दिए और मुझे एकदम नंगा कर दिया, फिर मेरे मुँह में लगे हुए अपने योनिरज को देखकर उसने अपने जीभ से चाटने लगी।

फिर धीरे-धीरे अपने थूक से मेरे बदन को गीला करते करते मेरी नाभि को चाटने लगी।

उसकी इस हरकत से मुझे गुदगुदी सी होने लगी, फिर उसी तरह से वो ऊपर आकर मेरे निप्पल को दाँतों से काटने लगी।

उसके बाद वो मेरे ऊपर बैठ गई।

उसके बैठते ही मेरा हाथ उसकी चूची पर चला गया, उसने तुरन्त मेरा हाथ झटक दिया

और मेरे छाती को मसलने लगी, कभी निप्पल पर नाखून गड़ाती तो कभी उसे अँगूठे और उँगली से मसल देती और मेरे चेहरे को देख कर मुस्कुरा देती।

इस तरह वो करीब पंद्रह मिनट उसने किया जिससे मेरे लौड़े का तनाव बढ़ता ही जा रहा था, उसको मेरे चेहरे के भाव से समझ में आ रहा था, वो तुरन्त पलटी और अपने शरीर को झुकाते हुए बड़े प्यार से मेरे लौड़े पर जीभ फेरने लगी।
प्रियंका के झुकने से उसकी गाण्ड उठ गई और छेद फैल गया मैंने तुरन्त ही अपनी उँगली उसके गाण्ड में डाल दिया और उसकी गाण्ड को खोदने लगा।

वो चिहुंकी और मेरे अण्डे को कस कर दबा दिया और लण्ड को तेजी से काट लिया, जिससे मैं दर्द से मैं बिलबिला पड़ा और मेरी उँगली उसके गाण्ड से बाहर आ गई।

मैंने धीरे से प्रियंका को अपनी तरफ खींचा और उसके नाक से उँगली सटा दी।
धीरे-धीरे प्रियंका की उत्तेजना बढ़ती जा रही थी, वो मेरे मुँह में आकर बैठ गई और अपनी बुर को मेरे मुख से जोर-जोर से रगड़ने लगी, वो मुझे अपनी बुर को कच्चा चबा जाने के लिये आमंत्रण दे रही थी।

दोस्तो, बहुत देर से हम लोग एक दूसरे को जिस्म को केवल चुपचाप चाट रहे थे ताकि आवाज के वजह से कोई जाग न जाये लेकिन जब हम लोग के मुँह से आवाज आना शुरू हुई तो प्रियंका ने मेरे कान में छुत पर चलने के लिये कहा ताकि हम लोग खुल कर मजा ले सकें।

कहानी जारी रहेगी !

saxena1973@yahoo.com

Other stories you may be interested in

ममेरे भाई ने मेरी कुंवारी चूत की चुदाई की-1

दोस्तो, मेरा नाम आशना है. मैं अहमदाबाद में रहती हूँ. आज जब मैं संसार की सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली हिंदी में सेक्स कहानी वाली अन्तर्वासना की साइट पर सेक्स स्टोरी पढ़ रही थी. तब मुझे लगा कि मुझे भी [...]

[Full Story >>>](#)

जीजा का ढीला लंड साली की गर्म चूत

नमस्कार मेरे प्यारे दोस्तो, मैं सपना राठौर आपके साथ फिर से अपनी नई कहानी शेयर करने के लिए वापस आई हूँ. आपने मेरी पिछली कहानियों को खूब पसंद किया जिसमें मैंने जीजा के साथ सेक्स किया था. अब मैं अपनी [...]

[Full Story >>>](#)

अमीर औरत की जिस्म की आग

दोस्तो !मेरा नाम विशाल चौधरी है और मैं उ. प्र. राज्य के सम्भल जिले का रहने वाला हूँ। यह बात तब की है जब मैं अपनी पढ़ाई पूरी करके अपने घर पर रह रहा था और घर वालों का मेरे [...]

[Full Story >>>](#)

बहन बनी सेक्स गुलाम-5

दोस्तो, मेरी इस सेक्स कहानी को आप लोगों का बहुत प्यार मिला. मैं फिर से आपका सबका धन्यवाद करना चाहता हूँ और नए अंक के प्रकाशन में देरी के लिए क्षमा चाहता हूँ. कहानी थोड़ी लंबी हो रही है क्योंकि [...]

[Full Story >>>](#)

नयी पड़ोसन और उसकी कमसिन बेटियां-4

अभी तक आपने पढ़ा कि लखनऊ के होटल के कमरे में पहली बार चुदने वाली डॉली उसके बाद मेरे घर पर और फिर अपने घर पर चुदाई का आनन्द ले चुकी थी. अब आगे : इतवार का दिन था, सुबह के [...]

[Full Story >>>](#)

